



|   |   |    |     |   |     |   |   |     |   |   |     |   |     |     |     |     |     |     |     |
|---|---|----|-----|---|-----|---|---|-----|---|---|-----|---|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| げ | う | ん  | た   |   | え   | 手 | を | 役   | い |   | 支   | ラ | に   | す   | が   |     | る   | っ   | と   |
| で | ー | で  | こ   | 私 | が   | が | 責 | 目   | ー | こ | え   | ン | す   | 。   | 働   | ま   | 力   | て   | と   |
| 気 | 「 | いた | と   | は | あ   | 安 | め | な   | と | う | る   | テ | 。 仕 | 働   | た   | だ   | 人   | も   | と   |
| 持 | 」 | た  | が   | こ | れ   | 心 | た | の   | い | し | 大   | ィ | 事   | け   | 、   | と   | を   | す   | も   |
| ち | 大 | と  | あ   | の | ば   | で | り | だ   | う | た | 切   | ア | が   | る   | 、   | 支   | 思   | ご   | い   |
| が | 丈 | と  | り   | こ | 、   | き | 、 | と   | 取 | 取 | な   | 活 | あ   | い   | 、   | え   | い   | い   | と   |
| 楽 | 夫 | き  | ま   | と | や   | る | 差 | 感   | り | 組 | 場   | 動 | れ   | 。 就 | る   | 姿   | 。 感 | と   | 感   |
| に | だ | 、  | す   | を | り   | よ | 別 | じ   | み | み | に   | や | ば   | 職   | は   | 、   | 。 感 | じ   | ま   |
| な | よ | 先  | 。 部 | 、 | 直   | う | し | ま   | を | を | な   | 交 | 生   | を   | 、   | ま   | 。 じ | ま   | し   |
| り | ー | 生  | 活   | 学 | す   | な | た | 。 犯 | 知 | 知 | っ   | 流 | 活   | 支   | ま   | さ   | 。 じ | ま   | た   |
| 、 | と | や  | 動   | 校 | 力   | 声 | り | 罪   | る | と | て   | 会 | が   | え   | 人   | に   | 。 じ | ま   | 。 自 |
| 今 | 声 | 先  | で   | 生 | に   | 掛 | す | や   | の | 、 | い   | な | 安   | る   | や   | 明   | 。 じ | ま   | 分   |
| で | を | 輩  | 失   | 活 | な   | け | る | 非   | は | 立 | ま   | ど | 定   | 制   | 刑   | る   | 。 じ | ま   | の   |
| は | か | が  | 敗   | の | と   | を | の | 行   | 社 | ち | 。 。 | も | し   | 度   | 務   | い   | 。 じ | ま   | 時   |
| も | け | 一  | し   | 中 | 思   | す | は | を   | 会 | 直 | 。   | 、 | も   | も   | 所   | 社   | 。 じ | ま   | 間   |
| っ | て | 次  | て   | で | い   | と | な | し   | 全 | り |     | 自 | あ   | か   | か   | 会   | 。 じ | ま   | を   |
| と | く | か  | 落   | も | ま   | い | く | た   | 体 | た |     | 分 | り   | ら   | を   | を   | 。 じ | ま   | 使   |
| や | れ | ら  | ち   | 体 | す   | ま | 、 | 人   | 験 |   |     |   | 大   | 出   | 作   | 。 じ | ま   | 。 自 | 分   |
| り | た | 頑  | 込   | 験 | 。 。 | 支 | 相 | 人   | し |   |     | 切 | 切   | た   | 。 じ | ま   | 。 自 | 分   | の   |
| た | お | 張  |     | し |     | 支 |   |     | の |   |     | を | ま   | 人   | 。 じ | ま   | 。 自 | 分   | の   |
|   | か | ろ  |     | し |     | 支 |   |     | の |   |     | ま | ま   | 人   | 。 じ | ま   | 。 自 | 分   | の   |

いと感じるようになっていきました。部活動は私にと  
ってかけがえのない存在でもあり、一番成  
長できる場です。これは犯罪や非行とは違い  
ますが、誰かの励ましで気持ちを立て直せる  
という点では同じだと思えます。  
地域社会でも、立ち直ろうとする人を受け  
入れる気持ちが大切です。もし、過ちを犯し  
た人に対して、冷たく接してしまったり、そ  
の人はますます居場所を失ってしまおうでしよ  
う。逆に「失敗しても、また一緒に生きてい  
こう」という気持ちで接することができれば  
その人は希望を持って前に進めるはずで  
す。  
そして、立ち直った人が社会の一員として  
活やくできるようになれば、それは社会にと  
っても大きな力になると思います。過去にと  
らわれず、未来を見て生きていこうとする人  
を応援できる社会は、きっと犯罪や非行のな  
い明るい社会になるでしょう。  
私も、もし身近に立ち直ろうとする人がい  
たら、その人を信じて応援できる人になりた

